सजाकर शेर मेरे घर आ

धुन- कन्हैया ले चल परली पार

सजाकर, शेर मेरे घर आ ।।।
मैं बैठा, दिल का आसन सज़ा ॥
सजाकर ।।। शेर मेरे घर आ ॥

मन का आसन, कब से है ख़ाली ॥
आन विराजो, शेरोंवाली ॥
तुम बिन और, वसेगा न कोई ॥
मन मंदिर में आ,,,
सजाकर ।।। शेर मेरे,,,,,,,,,,,,

पाप मिटा दो, गिण गिण मेरे ॥
काम क्रोध ने, लगाए डेरे ॥
अवगुण मेरे, चित्त न वसाओं ॥
दो चरणों में जगह,,,
सजाकर ।।। शेर मेरे,,,,,,,,,,,,

लग जाए मेरी, ऐसी समाधि ॥
मन में रहे न, कोई व्याधि ॥
हर पल तेरा, नाम जपूँ मैं ॥
ऐसी करो कृपा,,
सजाकर ।।। शेर मेरे,,,,,,,,,,,,

कण कण दर्शन, करूँ तुम्हारा ॥
रोम रोम, बोले जयकारा ॥
ध्यानु सा, विश्वास जगा दो ॥
हम पर करो कृपा,,,
सजाकर ।।। शेर मेरे,,,,,,,,,,,,

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/20752/title/sajakar-sher-mere-ghar-aa

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |